प्रेस विज्ञप्ति

नई दिल्ली: 13 जनवरी 2022

भाखेप्रा ने बर्मिंघम विश्वविद्यालय के सहयोग से 'प्रदर्शन के लिए एप्लाइड खेल विज्ञान' पर एक दिवसीय संयुक्त कार्यशाला का आयोजन करता है

नई दिल्ली, 13 जनवरी 2022: भारतीय खेल प्राधिकरण (भाखेप्रा) ने बर्मिंघम विश्वविद्यालय (ब वि) के सहयोग से ब्रिटैन ने गुरुवार, 13 जनवरी, 2022 को 'प्रदर्शन के लिए एप्लाइड खेल विज्ञान ' विषय पर वर्चुअली एक दिवसीय संयुक्त कार्यशाला एवं संगोष्ठी का आयोजन किया।

मुख्य भाषण में, श्री रोहित भारद्वाज, सचिव, भारतीय खेल प्राधिकरण (भाखेप्रा) ने विशेष रूप से पिछले कुछ दशकों में खेल उत्कृष्टता को बढ़ावा देने में खेल विज्ञान की भूमिका को दोहराया। इसके बाद उन्होंने आगे कहा, "भाखेप्रा अब यहां मौजूद सभी विशेषज्ञों से सिफारिशें मांगता है कि कैसे खे.वि.खे.औ. (एसएसएसएम) को समायोजन करने के अलावा, खेल विज्ञान को अपने दैनिक दिनचर्या के एक हिस्से के रूप में शामिल करने के लिए प्रशिक्षक और एथलीटों के प्रशिक्षण सत्र का हिस्से को जमीनी स्तर पर लाया जाए। हमें इस पर भी आपकी सिफारिशों की आवश्यकता है कि जूनियर एथलीटों को यह समझाने की जरूरत है कि खेलों में खेल विज्ञान एक महत्वपूर्ण पहलू है, विशेष रूप से उनके प्रदर्शन के संबंध में।"

प्रख्यात खेल विशेषज्ञों ने भारत में विशिष्ट प्रदर्शन में एप्लाइड खेल विज्ञान कैसे समर्थन कर सकता हैं, जैसे शामिल विषयों पर जिसमें - हॉकी में, भाखेप्रा के डॉ.(कर्नल) विभु नायक, एप्लाइड खेल विज्ञान, डॉ. एस.आर. सरला, भाखेप्रा, प्रोफेसर बैरी डस्ट, ब.वि, से एप्लाइड खेल फिजियोलॉजी, प्रोफेसर जोन डूडा, ब.वि.से एप्लाइड खेल मनोविज्ञान और डॉ. गैरेथ वालिस, ब.वि. से एप्लाइड खेल पोषण पर उस दिन के श्रोताओं को संबोधित किया।

कई व्याख्याकारों ने भारतीय खेलों में खेल विज्ञान विषय के हस्तक्षेप को शामिल किया और इन हस्तक्षेपों का परिणाम क्या है, इन्हें शामिल किया। व्याख्यान के बाद प्रश्न और उत्तर सत्र जो बहुत ही स्फूर्तिदायक था, जिसे कोई और नहीं बल्कि एक इक्का-दुक्का पत्रकार श्री विजय लोकपल्ली द्वारा संचालित किया था।

भाखेप्रा और बर्मिंघम विश्वविद्यालय के फेसबुक पेजों पर भाखेप्रा के साथ कार्यशाला का सीधा प्रसारण किया गया था इससे पूरे देश के प्रतिनिधि वर्चुअल सत्रों का हिस्सा बन रहे हैं। इह अवसर पर संगोष्ठी में सभी वैज्ञानिक संकाय और कर्मियों, उच्च प्रदर्शन प्रबंधकों, प्रमुख प्रशिक्षक, मुख्य प्रशिक्षक और राष्ट्रीय शिविर प्रशिक्षकों के अलावा खेल प्रशासक और प्रभाग के प्रमुखों ने भाग लिया। वरिष्ठ एथलीटों को भी इस अवसर से लाभान्वित होने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

लॉर्ड करण बिलिमोरिया, कुलपति ब.वि. ने भी सत्रों में भाग लिया, जिन्होंने समापन समारोह की टिप्पणी में कहा कि इस तरह की सहयोग से दोनों देशों के बीच मजबूत संबंध बनाने में मदद मिलती हैं और वह इस पहल का हिस्सा बनकर खुश हैं।

ईओएम